The Hindu 2 May, 2017

'Employment under PMEGP falls 9.5%'

Project numbers too declined, says Assocham, citing government data for FY16

PIYUSH PANDEY
MUMBAI

Job opportunities under the Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) fell over 9.5% year-on-year to 3.2 lakh in FY16 from more than 3.5 lakh in FY15, according to industry body Assocham.

"Besides, the number of projects set up under the PMEGP also reduced from over 48,100 in FY15 to about 44,300," according to a report by Assocham based on an analysis of government data.

Uttar Pradesh topped with over 43,000 jobs generated under the PMEGP in FY16, but the number of jobs reduced from more than 48,600 that was generated in FY15 thereby registering a year-on-year decline of more than 11%.

"The PMEGP is an effective scheme aimed at reducing unemployment and generating sustainable employment opportunities in rural and urban India, but there is a need for banks and other institutions to put in collaborative effort to meet the targets of this programme," said D.S. Rawat, secretary general of Assocham.

Credit proposals

While the number of credit proposals approved under the Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises (CGTMSE) increased significantly from just over four lakh to over 5.1 lakh between 2014-15 and 2015-16, the approved amount under this scheme fell 6% from ₹21,200 crore in FY15 to more than ₹19,900 crore in FY16.

The number of MSMEs which benefited from the Marketing Assistance and Technology Upgradation programme also fell from 359 in FY15 to 303 in FY16, according to the analysis. It added that the number of trainees under the Entrepreneur Development Programmes Scheme fell significantly from more than 1.4 lakh in FY15 to just over 66,000 in FY16.

The number of new ideas approved as part of Entrepreneurial Development of SMEs through Incubators rose marginally from 143 in FY15 to 145 in FY16, according to ASSOCHAM.

The Free Press Journal (Mumbai) **2 May, 2017**

Decline of 9% in employment generation under PMEGP

• **OUR BUREAU**
New Delhi & Mumbai

There is a dire need for employment generation in the country and any fall in this number can be critical. In the latest analysis by Assocham, it has bought to light the fall in number of employment opportunities generated under the Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP). The analysis stated that the number of employment opportunities generated under the PMEGP fell from over 3.5 lakh in 2014-15 to 3.2 lakh in 2015-16, a decline of over 9.5 per cent.

"The number of projects set up under the PMEGP has reduced from over 48,100 in FY15 to about 44, 300," revealed ASSOCHAM, an industry body. The body analysed data compiled by Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises.

The analysis highlighted the status of various states as well. It revealed that Uttar Pradesh topped the job generation under the PMEGP in FY16 compared to other states with over 43,000 jobs. But UP also saw a decline of 11 per cent compared to FY 2015 (as it generated over 48,600 in FY 2015). On one hand, Tamil Nadu and Maharashtra is among the top states in employment generation, but on the other hand these states have witnessed a drop in job generation in FY 2016 compared to FY 2015. States like Bihar and Odisha has continued to maintain the growth momentum.

"The PMEGP is an effective scheme aimed at reducing unemployment and generating sustainable employment opportunities in rural and urban India, but there is a need for banks and other institutions must put in collaborative efforts in place to meet the targets of this programme," said D S Rawat, secretary general of ASSOCHAM during the release of the findings.

While the number of credit proposals approved under the Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises (CGTMSE) increased significantly from just over four lakh to over 5.1 lakh between 2014-15 and 2015-16, the approved amount under this scheme got reduced from Rs 21,200 crore in FY15 to over Rs 19,900 crore in FY16 i.e. a fall of over six per cent.

While the number of MSMEs benefitted under Credit Linked Capital Subsidy Scheme reduced from over 7,200 in FY15 to just over 5,000 in FY16, the amount of subsidy released also declined by over 28 per cent during this period.

Prime Minister's Employment Generation Programme

Sl.No.	State / UTs	Employment Generated 2014-15	Employment Generated 2015-16	Sl.No.	State / UTs	Employment Generated 2014-15	Employment Generated 2015-16
1	Andhra Pradesh	12220	7740	18	Mizoram	6736	9072
2	Arunachal Pradesh	2871	104	19	Nagaland	2407	4998
3	Assam	15535	9026	20	Orissa	10211	17629
4	Bihar	9240	19624	21	Punjab	6438	7762
5	Chhattisgarh	5821	9496	22	Rajasthan	15002	14537
6	Goa	406	500	23	Sikkim	54	397
7	Gujarat*	18107	14960	24	Tamil Nadu	36190	20836
8	Haryana	7024	7232	25	Telangana	6604	7761
9	Himachal Pradesh	6352	5134	26	Tripura	6333	5355
10	Jammu & Kashmir	11025	12115	27	Uttar Pradesh	48604	43059
11	Jharkhand	8495	12873	28	Uttarakhand	7889	6161
12	Karnataka	21825	17284	29	West Bengal	24646	12746
13	Kerala	9738	9653	30	Andaman & Nicobar	790	293
14	Madhya Pradesh	21896	16497	31	Chandigarh	160	323
15	Maharashtra**	28311	20161	32	Delhi	1584	2048
16	Manipur	829	2715	33	Lakshadweep	93	0
17	Meghalaya	3680	4824	34	Puducherry	386	447
				Total		357502	323362

*Including Daman & Diu **including Dadra & Nagar Haveli @ as on 02.05.2016

Amar Ujala

2 May, 2017

पीएमईजीपी के तहत घटे रोजगार

नई दिल्ली (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत उत्पन्न होने वाले रोजगार अवसरों की संख्या 2015-16 में 2014-15 के 3.5 लाख से ज्यादा रोजगार अवसरों से गिरकर 3.2 लाख पर आ गई। यह साल दर साल आधार पर 9.5 फीसदी से ज्यादा की गिरावट है। यह जानकारी शीर्ष उद्योग संगठन एसोचैम द्वारा कराए गए एक विश्लेषण से सामने आई।

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योग मंत्रालय द्वारा संकलित आंकड़ों के एसोचैम द्वारा विश्लेषण में कहा गया कि पीएमईजीपी के तहत स्थापित परियोजनाओं की संख्या भी वित्त वर्ष 2015-16 में गिरकर लगभग 44,300 हो गई, जो वित्त वर्ष 2014-15 में 48,100 थी। 2015-16 में पीएमईजीपी के अंतर्गत सर्वाधिक 43,000 से ज्यादा नौकरियां उत्तर प्रदेश में निकलीं।

Rashtriya Sahara 2 May, 2017

पीएमईजीपी में रोजगार सृजन में 10 फीसद की गिरावट

■ नई दिल्ली।

देश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में स्व रोजगार, अति लघु एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ वर्ष 2008 में शुरू किए गए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत रोजगार सृजन में पिछले वर्ष करीब 10 फीसद की कमी आई है।

उद्योग संगठन एसोचैम द्वारा सूक्ष्य, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर जारी रिपोर्ट के अनुसार पीएमईजीपी के तहत देश भर में वर्ष 2014-15 के दौरान तीन लाख 58 हजार रोजगार का सृजन हुआ जबकि 2015-16 में यह संख्या घटकर तीन लाख 20,000 हो गई। इसके अलावा पिछले एक साल में करीब चार हाार परियोजनाओं में भी कमी आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2014-15 में पीएमईजीपी के तहत 48 हजार 100 परियोजनाएं शुरू की गईं।

वित्त वर्ष 2015-16 में पीएमईजीपी के तहत सबसे अधिक 43,000 रोजगार का सृजन उत्तर प्रदेश में हुआ लेकिन यह संख्या भी वित्त वर्ष 2014-15 में सृजित 48,600 रोजगार से 11 फीसद से अधिक कम है। तमिलनाडु, महाराष्ट्र, बिहार और ओडिशा में भी यही हाल है। एसोचैम के महासचिव डीएस रावत के मुताबिक ग्रामीण और शहरी इलाकों में सतत रोजगार के सृजन के लिहाज से पीएमईजीपी एक प्रभावी योजना है लेकिन बैंकों और अन्य संस्थानों को इस कार्यक्रम के लक्ष्य की पूर्ति के लिए संयुक्त प्रयास करने होंगे। ■ भाषा

Rajasthan Patrika 2 May, 2017

एसोचैम ने कहा...

पीएमईजीपी के तहत रोजगार सृजन में 10 फीसदी की कमी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. देश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में स्व-रोजगार, अतिलघु एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ वर्ष 2008 में शुरू किए गए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत रोजगार सृजन में पिछले वर्ष करीब 10 फीसदी की कमी आई है। उद्योग संगठन एसोचैम द्वारा सूक्ष्य, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर जारी रिपोर्ट के अनुसार पीएमईजीपी के तहत देश भर में वर्ष

2014-15 के दौरान तीन लाख 58 हजार रोजगार का सृजन हुआ, जबकि 2015-16 में यह संख्या घटकर तीन लाख 20 हज़ार हो गई। एक साल में करीब चार हज़ार परियोजनाओं में भी कमी आई है। 2014-15 में पीएमईजीपी के तहत 48 हज़ार 100 परियोजनाएं शुरू की गईं, जबकि 2015-16 में 44 हज़ार 300 ही शुरू हुईं।

अनुमोदित राशि में 6% की गिरावट

सतत रोजगार के सृजन के लिहाज से पीएमईजीपी एक प्रभावी योजना है, लेकिन बैंकों और अन्य संस्थानों को इस कार्यक्रम के लक्ष्य की पूर्ति के लिए संयुक्त प्रयास करने होंगे। 2014-15 के मुकाबले 2015-16 में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट के तहत अनुमोदित प्रस्तावों की संख्या चार लाख से बढ़कर 5.1 लाख हो गई।

Hindustan **2 May, 2017**

रोजगार सृजन में 10 फीसदी कमी

नई दिल्ली। देश के शहरी और ग्रामीण इलाकों में स्व रोजगार एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा देने वाले प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत रोजगार सृजन में पिछले साल 10 फीसदी की कमी आई है।

उद्योग संगठन एसोचैम द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर जारी रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। पीएमईजीपी की शुरुआत वर्ष 2008 में किया गया था।